महाप्रबंधक कार्यालय
पश्चिम मध्य रेल,
इंद्रा मार्केट, जबलपुर

पमरे की सभी दुर्घटना राहत ट्रेन/दुर्घटना राहत मेडिकल वैन को मिला ISO 9001:2015 प्रमाण पत्र
रेल–नेत्रा से जीपीएस ट्रेकिंग किया जा रहा है
आपदा प्रबंधन में किया उच्च तकनीक का उपयोग

पश्चिम मध्य रेल आपदा प्रबंधन को उच्च तकनीक से लैस करने हेतु तेजी से प्रयासरत है। आपदा प्रबंधन में मुख्यतः एआरटी (Accident Relief Trains) और एआरएमवी (Accident Relief Medical Vans) शामिल है। इनमें उच्च तकनीक के समाहित एवं कुशल रखरखाव के कारण इनको ISO 9001:2015 प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। जिससे इनकी विश्वनीयता में बढ़ोत्तरी हुई है।

पश्चिम मध्य रेल की सभी एक्सीडेंट रिलीफ ट्रैन/एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल वैन (ART/ARMV) दुर्घटना स्थल पर तीव्रगति से पहुँच कर दुर्घटना के दौरान चिकित्सीय उपचार बिना एक क्षण गवाएं तथा प्राथमिक उपचार त्वरित आरंभ कर देते हैं, क्योंकि किसी भी दुर्घटना में प्रथम घंटा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। इस एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल वैन में रेलवे डॉक्टर की टीम, प्रशक्षित, पैरामेडिकल स्टॉफ के साथ–साथ आवश्यक जीवन रक्षक उपकरण, दवाएं, चिकित्सीय सामग्री उपलब्ध रहते हैं, एवं एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन में अति प्रशक्षित एवं अनुभवी रेल अधिकारी और कर्मचारियों की टीम तथा सभी रिलीफ एवं रेस्ट्रोरेशन के लिए उपकरण मशीनें तैनात रहती है जो शीघ्र से शीघ्र दुर्घटना स्थल पर पहुंच कर रेलमार्ग को ठीक कर रेल परिचालन को गाड़ी संचालन हेतु व्यस्थित करती है।

पश्चिम मध्य रेल के बेड़े में क्लास A में 140 टन की क्रेन सहित 04 एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन, क्लास B में 03 एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन एवं क्लास C में 01 एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन हैं, तथा इसके साथ 06 एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल रिलीफ वैन , 03 सेल्फ प्रोपेल्ड एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट है और सभी को ISO 9001:2015 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। इन सभी आपदा राहत ट्रेन में जीपीएस ट्रैकर सिस्टम लगा हुआ है। पमरे में मुख्यतः एआरटी /एनकेजे, एआरटी/इटारसी एवं एआरटी/कोटा के साथ सभी एआरटी में ड्रोन कैमरा भी लगा हुआ है।

पमरे के जबलपुर मण्डल में एआरटी/जबलपुर, एआरएमवी/जबलपुर, एसपीएआरएमवी/एनकेजे, एआरटी/सतना एवं एआरएमवी/सतना सभी एआरटी एवं एआरएमवी को पहली बार ISO 9001:2015 प्रमाण पत्र दिया गया है।

पमरे का भोपाल मण्डल जीपीएस आधारित ट्रैकिंग तकनीक के साथ मण्डल की सभी 12 राहत इकाइयों को जोड़ने के लिए रेल–नेत्रा (रेल नेटवर्क ऑफ रिलीफ एसेट्स) नामक एक अद्वितीय नेटवर्क स्थापित करने वाला भारतीय रेल का पहला जोन बना। पश्चिम मध्य रेल की सभी 26 राहत इकाइयों को रेल–नेत्रा तकनिक से जोड़ लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि एआरटी के अंदर दुर्घटना से संबंधित जो उपकरण रहते है वे सभी मानक मापदंडों, रखरखाव, रनिंग एवं निरीक्षण शेड्यूल के अनुसार होते है। इन सभी एआरटी को उनके उच्च गुणवत्ता से लैस होने पर आईएसओ सार्टिफिकेट प्रदान किया गया है। जिससे आंतरिक रखरखाव से सुधार ज्यादा से ज्यादा हो सकता है, साथ ही गुणवत्ता युक्त व्यवस्था मिलती है, एआरटी की विश्वसनीयता बढ़ती है।

———————————————————————————————————————

संख्याः पमरे/मुख्या/मुजसअधि/प्रेस विज्ञप्ति/233/2021 दिनांक 06.07.2021

सम्माननीय संपादक

कृपया जनहित में उपरोक्त समाचार अपने लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित कर सहयोग करें.

'सधन्यवाद

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर